भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 2286

उत्तर देने की तारीख-05/08/2024

एनसीईआरटी की पाठ्य पुस्तकों में संशोधन

†2286. **श्री सेल्वाराज वी.:**

श्री सुब्बारायण के.:

श्री वी. के. श्रीकंदन:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के कार्यान्वयन के एक भाग के रूप में स्कूली शिक्षा के लिए नए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा, 2023 की तर्ज पर नई स्कूली परीक्षा पुस्तिकाएं तैयार करने की प्रक्रिया में है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या यह सच है कि केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) भी ब्रिज कोर्स कक्षाओं पर कार्य कर रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह सच है कि एनसीईआरटी ने वर्ष 2016 से अब तक कक्षा 9 से 12 तक के इतिहास और राजनीति विज्ञान की पाठ्य पुस्तकों में कुछ संशोधन किए हैं और यदि हां, तो इन पुस्तकों में किए गए परिवर्तनों का ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या ये परिवर्तन पाठ्यपुस्तक विकास समिति के सभी सदस्यों की सर्वसम्मति से किए गए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)**,** 2020 की अनुवर्ती कार्रवाई के रूप में**,** राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा-फाउंडेशनल स्टेज (एनसीएफ-एफएस**)** 2022 और स्कूल शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (एनसीएफ-एसई**)** 2023 विकसित की है। कक्षा I, II, III और VI के लिए पाठ्यपुस्तकें विकसित की गई हैं और डिजिटल और मुद्रित रूप में (कक्षा VI की गणित की पाठ्यपुस्तक को छोड़कर) छात्रों और

शिक्षकों हेतु प्रकाशित की गई हैं। शेष कक्षाओं के लिए पाठ्यपुस्तकों के विकास हेतु एनसीईआरटी द्वारा राष्ट्रीय पाठ्यक्रम एवं शिक्षण-अधिगम सामग्री समिति (एनएसटीसी) का गठन किया गया है।

(ख) केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) एनसीईआरटी द्वारा विकसित पाठ्यपुस्तकों को निर्धारित करता है। एनसीईआरटी ने कक्षा VI के विद्यार्थियों के लिए 10 विषय क्षेत्रों (गणित, हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, उर्दू, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, व्यावसायिक शिक्षा, कला शिक्षा, शारीरिक शिक्षा और कल्याण) में एक माह का ब्रिज कोर्स विकसित किया है, साथ ही शिक्षकों के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश भी तैयार किए हैं और उन्हें पुराने पाठ्यक्रम से नए पाठ्यक्रम को सुलभता से अपनाने के लिए तैयार करने हेतु एनसीईआरटी की वेबसाइट पर अपलोड किया गया है। इस कार्यक्रम को इस प्रकार से डिजाइन किया गया है कि प्रत्येक विषय क्षेत्र में, शिक्षकों को योग्यता-आधारित शिक्षा के शिक्षणशास्त्र को समझने हेतु दक्षताओं और अधिगम परिणामों के साथ जोड़ने वाली पर्याप्त अनुकरणीय गतिविधियां प्रदान की गई हैं, ताकि छात्रों को गतिविधियों के माध्यम से अवधारणाओं को खुशी से सीखने के लिए प्रेरित किया जा सके। एनसीईआरटी ने कक्षा 3 के विद्यार्थियों के लिए कला शिक्षा, शारीरिक शिक्षा और कल्याण तथा हमारे आसपास की दुनिया जैसे नए विषय क्षेत्रों पर 2 सप्ताह का फाउंडेशन कोर्स भी विकसित किया है, जिसका उद्देश्य कक्षा 3 के विद्यार्थियों को इन क्षेत्रों के बारे में पूर्व-अभिविन्यास प्राप्त करने के लिए तैयार करना है, इससे पहले कि वे कक्षा 3 में पहली बार शुरू की जा रही पाठ्यपुस्तकों का औपचारिक अध्ययन करें।

(ग) कोविड-19 महामारी के दौरान स्कूली शिक्षा के सभी स्तर के छात्रों को अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए ऑनलाइन और अन्य तरीकों से बहुत संघर्ष करना पड़ा था। पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकों की विषय-वस्तु सहित पाठ्यचर्या भार से संबंधित चिंताएँ विभिन्न क्षेत्रों से उठाई गई थी। इसलिए, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने वर्ष 2021-22 में सभी कक्षाओं और विषयों में मौजूदा प्रक्रियाओं के अनुसार पाठ्यपुस्तकों की सामग्री को युक्तिसंगत और अद्यतन बनाया है। ओवरलैपिंग सामग्री, उच्च कठिनाई स्तर आदि सहित विषय-वस्तु भार को युक्तिसंगत बनाने के लिए विशिष्ट मानदंड भी तैयार किए गए थे। ये पाठ्यपुस्तकें 2022-23 सत्र से जारी हैं। इसके बाद, नए ज्ञान, तथ्यों और उनकी व्याख्याओं के कारण वर्ष 2023-24 में कुछ नई जानकारी शामिल की गई हैं।

कक्षा 9 से 12 के लिए इतिहास और राजनीति विज्ञान में विभिन्न दृष्टिकोणों की समझ को सुसंगत बनाने की आवश्यकता के कारण कुछेक विलोपन और संशोधन आवश्यक हो गए हैं। पाठ्यपुस्तकों की विषय-वस्तु को छात्रों की सकारात्मक मानसिकता विकसित करने में सहायता करने हेतु संशोधित किया गया है ताकि वे हमारे बहु-जातीय और बहुभाषी समाज को आकार देने वाले सामाजिक परिवर्तनों के प्रेरकों की सहज समझ को विकसित कर सकें।

युक्तिसंगत एवं अद्यतन सामग्री की सूची एनसीईआरटी की वेबसाइट पर उपलब्ध है। इसका लिंक निम्नानुसार है:

https://ncert.nic.in/rationalised-content.php

https://ncert.nic.in/pdf/Revised_Content_2024/Revised_Updated_Content_Sociology-History.pdf

(घ) वर्ष 2005-2008 के दौरान, एनसीईआरटी द्वारा सभी कक्षाओं के लिए विभिन्न विषयों की पाठ्यपुस्तकों के विकास के लिए पाठ्यपुस्तक विकास समितियाँ (टीडीसी**)** गठित की गईं थी। ये समितियाँ प्रकृति में विशुद्ध रूप से अकादमिक थीं और पाठ्यपुस्तकों के विकसित होने तक अस्तित्व में रहीं। एनसीईआरटी द्वारा पाठ्यपुस्तकें प्रकाशित किए जाने के बाद, उनका कॉपीराइट पाठ्यपुस्तक विकास समिति (टीडीसी) से स्वतंत्र एनसीईआरटी में निहित रहा। शर्तें समाप्त होने के बावजूद, पाठ्यपुस्तक विकास समिति के कुछेक पुराने सदस्यों ने परिवर्तनों पर कतिपय आपत्तियां दर्ज करवाईं। तथापि, एनसीईआरटी ने वेबसाइट पर अपना स्पष्टीकरण दिया है और वार्षिक संशोधन प्रक्रिया के भाग के रूप में ये परिवर्तन किए गए थे। स्पष्टीकरणों का लिंक निम्नानुसार है:

https://ncert.nic.in/pdf/notice/Textbook_Development_Committee.pdf

****